

कण्वाश्रम रेस्क्यू सेंटर प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों?

2 जुलाई, 2023 को उत्तराखण्ड के मुख्य वन्यजीव प्रतपालक डॉ. समीर सनिहा ने बताया कि प्रदेश में मानव वन्यजीव हमलों में लगातार हो रहे इजाफा को कम करने की कड़ी में लैंसडौन वन प्रभाग के कण्वाश्रम स्थिति मृग वहार को मनी चड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित करने के लिये नए सरि से कवायद शुरू की गई है।

प्रमुख बडि

- वदिति है कि प्रदेश में वन्यजीव हसिक होकर आबादी क्षेत्र में लोगों को अपना नशाना बना रहे हैं। ऐसे में तमाम क्षेत्रों में हसिक जानवरों (खासकर बाघ और गुलदार) को पकड़कर रेस्क्यू सेंटर भेजा जाता है, लेकिन प्रदेश में उपलब्ध रेस्क्यू सेंटर में अब शेड्यूल वन के इन प्राणियों को रखने के लिये जगह ही नहीं बची है। इसलिये अब सरकार नए रेस्क्यू सेंटर बनाने और पुरानों को वसितार देने जा रही है।
- कण्वाश्रम स्थिति मृग वहार को मनी चड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित करने के लिये सीजेडए से लगातार बातचीत की जा रही है। इसके अलावा दूसरे रेस्क्यू सेंटर को वसितार देने की दशिया में भी प्रयास किये जा रहे हैं।
- करीब 12 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले कण्वाश्रम स्थिति मृग वहार के रेस्क्यू सेंटर में तबदील होने से वन वभाग की मुश्कलें काफी हद तक कम हो जाएंगी।
- वदिति है कि वर्ष 2018 में तत्कालीन वन मंत्री डॉ. हरक सहि रावत ने मृग वहार को मनी जू और रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित करने के लिये पहल की थी। उस दौरान इस काम के लिये केंद्र सरकार की ओर से सैद्धांतिकि स्वीकृति भी दे दी गई थी।
- इसके बाद केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण (सीजेडए) की ओर से इस मामले में औपचारकिताओं को पूरा के लिये कहा गया था, जो वकत रहते वन वभाग की ओर से पूरी नहीं की गई। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब वन वभाग की ओर से फरि से मृग वहार को मनी चड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित करने के लिये शासन के माध्यम से सीजेडए के साथ पत्राचार शुरू कया गया है।
- प्रदेश में राजधानी देहरादून में मालसी में स्थिति देहरादून जू रेस्क्यू सेंटर को छोड़कर बाकी तीनों रेस्क्यू सेंटर हाउसफुल चल रहे हैं। इन रेस्क्यू सेंटर में एक भी शेड्यूल वन के वन्यजीव प्राणी को रखने की जगह नहीं है।
- अलमोड़ा में स्थिति चड़ियाघर में पाँच और रेस्क्यू सेंटर में छह कुल 11 गुलदार को रखा गया है। यहाँ अब अन्य गुलदारों को रखने की जगह नहीं है।
- इसी तरह से हरदिवार के चड़ियाघर में स्थिति रेस्क्यू सेंटर में 11 गुलदार को रखा गया है। यह भी हाउसफुल हो चुका है। नैनीताल चड़ियाघर में स्थिति रेस्क्यू सेंटर पहले ही फुल हो चुका है।
- देहरादून जू स्थिति रेस्क्यू सेंटर में एक घायल गुलदार को रखा गया था, जसि ठीक होने पर अब जंगल में छोड़ दया गया है। फलिहाल रेस्क्यू सेंटर में एक भी गुलदार नहीं है। वैसे भी यहाँ मात्र दो ही गुलदार को रखा जा सकता है।